:B.A.PART-1(Education),paper ll,
Presented by Dr.Pallavi.
Topic: वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल के मुख्य शिक्षण केन्द्र तथा उनकी सफलताए एवं विफलताए(Important Learning Centres of Vedic and Post Vedic era and their Success and Failure)

4.1प्रस्तावना (Introduction):वैदिक काल में गुरुकुल में ही शिक्षण कार्य किया जाता था । कालांतर में, पंडितों ने अपनी पाठशालाए खोल ली । शिक्षा व्यवस्था ऐसे ही पंडितों के हाथ में ई० सन् के आरम्भ होने तक रही । इसी काल के आस-पास विहारों का जन्म हुआ और इन्हीं विहारों से सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों का जन्म हुआ । हिन्दूओ ने भी बौद्धों का अनुसरण करते हुए अपने मठों एवं मंदिरों में पाठशालाए खोल दी । किन्तु विहारों के ये विद्धालय और मंदिरों के महाविद्यालय शिक्षा के कुछ केन्द्रों तक ही सीमित रहे । देश भर में अब भी शिक्षा के प्रमुख स्तम्भ वे ही पंडित थे जो निजी तौर पर अपनी पाठशालाए चलाते थे ।मध्य युग में भी विभिन्न सम्प्रदाय के आचार्यों के मठ में ऐसे छोटे-छोटे विद्धालय चलते थे,जिनमें उच्च शिक्षा की व्यवस्था की गई थी ।